

प्रत्येक

राधा रतूडी
सचिव
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

वित्त अधिकारी
सचिवालय प्रशासन
देहरादून।

समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।

देहरादून, दिनांक 15 अप्रैल, 2006

विषय: समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ से सम्बन्धित 01-04-2006 से 30-04-2006 तक के लिए पारित लेखानुदान की धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

सुभाष विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-881/XXVII(1)/2006, दिनांक 31 मार्च, 2006 के क्रम में भुझी यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय 01-04-2006 से 30-04-2006 तक के लिए पारित लेखानुदान की धनराशियों में से सचिवालय स्तरीय समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ से सम्बन्धित अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत प्राविधानित आयोजनागत पक्ष में संलग्नक के अनुसार ₹50 4,23,000/- (रुपये चार लाख तेईस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत बालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाये।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाये।
3. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर ले कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में, चाहे वह वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में, सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षकों को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी ओर लाल रखाही से अनुदान संख्या तथा आयोजनोत्तर/आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
4. भित्तव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाये।
5. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

कमश 2 पर

6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण- आयोजनागत- 01-अनुसूचित जातियों का कल्याण- 001-निर्देशन तथा प्रशासन- 07-एस सी पी / टी.एस.पी.नियोजन प्रकोष्ठ का अधिष्ठान- 00-" की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

7. कृपया उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।
सलग्न- यथोपरि।

भवदीय

(राधा रतूड़ी)
सचिव

संख्या:- 360 (1)/XVII(1)/06-42(प्रकोष्ठ)/2006/तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रक)अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
4. निदेशक, एन.आई.सी. उत्तरांचल, देहरादून।
5. निदेशक, समाज कल्याण उत्तरांचल, हल्द्वानी (मैगीताल)।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तरांचल शासन।
7. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से



(सुबोधन)
अपर सचिव

लेखा शीर्षक :

आयोजनागत

अनुदान संख्या-30

मतदेय

2225-01-001-07-00

मुख्य शीर्षक

2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण

उप मुख्य शीर्षक

01-अनुसूचित जातियों का कल्याण

सूची शीर्षक

001-निर्देशन तथा प्रशासन

उप शीर्षक

07-एस.सी.पी./टी.एस.पी.नियोजन प्रकोष्ठ का अधिष्ठान

व्यौरेवार शीर्षक

00-

(रुपये हजार में)

मानक मद	आबंटित धनराशि
01-वेतन	125
03-महंगाई भत्ता	53
04-यात्रा व्यय	17
06-अन्य भत्ते	14
07-मानदेय	42
08-कार्यालय व्यय	13
13-टेलीफोन पर व्यय	13
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	83
48-महंगाई वेतन	63
योग :	423

(रुपये चार लाख तेईस हजार मात्र)

(राधा रतूड़ी)
सचिव,